राजस्थान में खोजे गए अंधकार युग के सिक्के

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राजस्थान के पुरातात्विक स्थलों से **600 ईसा पूर्व से 1000 ईसा पूर्व के पंच-मार्क सिक्कों** का खज़ाना मिला है।

- यह भारतीय इतिहास के "अंधकार युग (Dark Age)" के संबंध में जानकारी प्रदान करता है जो**सिंधु घाटी सभ्यता के पतन से लेकर भगवान बुद्ध के युग तक फैला हुआ है।** इतिहासकार 1900 ईसा पूर्व से 600 ईसा पूर्व तक के इस काल को **अंधकार युग कहते हैं।**

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - **राजस्थान की पुरातात्विक खोजें इस क्षेत्र की प्राचीन व्यापारिक गतिविधियों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्त्वपूर्ण भूमिका को उजागर करती हैं।**
  - ये निष्कर्ष भारत के लुप्त ऐतिहासिक काल को उजागर करने के लिये इन कलाकृतियों के संरक्षण और अध्ययन के महत्त्व को रेखांकित करते हैं।
- **राष्ट्रीय मुद्राशास्त्र सम्मेलन में प्रस्तुति:**
  - **राजस्थान पुरातत्व एवं संग्रहालय विज्ञान विभाग** के एक सेवानिवृत्त मुद्राशास्त्री ने **5 दिसंबर, 2024 को मेरठ में राष्ट्रीय मुद्राशास्त्र सम्मेलन** में पंच-मार्क सिक्कों पर अपना शोध प्रस्तुत किया।
    - **संग्रहालय विज्ञान संग्रहालयों और उनमें की जाने वाली गतिविधियों का अध्ययन** है।
    - इसमें **संग्रहालयों के इतिहास, समाज में उनकी भूमिका और उनके द्वारा की जाने वाली गतिविधियों,** जैसे संरक्षण, शिक्षा और सार्वजनिक कार्यक्रम आदि का अध्ययन शामिल है।
    - मुद्राशास्त्री वह **व्यक्ति होता है जो मुद्रा और धन के रूप में प्रयोग की जाने वाली अन्य वस्तुओं का अध्ययन, संग्रह और विश्लेषण करता है।**
  - **उन्होंने अहार (उदयपुर), कालीबंगा (हनुमानगढ़), विराटनगर (जयपुर), और जानकीपुरा (टोंक)** जैसी साइटों की खोजों पर प्रकाश डाला, जिसमें एक संपन्न प्राचीन व्यापार नेटवर्क के साक्ष्य प्रदर्शित किये गए।
- **खोजें और महत्त्व:**
- **व्यापक सिक्का अध्ययन:**
  - सिक्कों पर **सूर्य, षड्चक्र और पर्वत/मेरु** जैसे प्रतीक अंकित थे।
  - **चाँदी और ताँबे से बने** इन सिक्कों का मानक वजन 3.3 ग्राम है तथा ये सिक्के पेशावर से कन्याकुमारी तक पूरे भारत में पाए जाने वाले सिक्कों से समानता दर्शाते हैं।
- **प्रमुख निष्कर्ष:**
  - उल्लेखनीय खोजों में **1935 में टोंक में मिले 3,300 सिक्के** और **1998 में सीकर में मिले 2,400 सिक्के शामिल हैं।**
  - इन क्षेत्रों के **धातुकर्म उपकरण महाराष्ट्र, तमिलनाडु और पेशावर में पाए जाने वाले औजारों से मिलते जुलते हैं, जो राजस्थान को एक व्यापक सांस्कृतिक और व्यापारिक नेटवर्क से जोड़ते हैं।**
- **ऐतिहासिक संदर्भ और पुरातात्विक साक्ष्य:**
- **चीनी यात्रियों द्वारा दस्तावेज़ीकरण:**
  - **चीनी यात्री फा-हियान (399-414 ई.), सुनयान (518 ई.) और ह्वेन-त्सांग (629 ई.) ने** इन क्षेत्रों में खंडहरों का दस्तावेज़ीकरण किया, जो उनके ऐतिहासिक महत्त्व की ओर संकेत करते हैं।
  - उनके विवरण, पुरातात्विक साक्ष्यों के साथ मिलकर, राजस्थान की प्राचीन व्यापार और सांस्कृतिक विरासत की समझ को समृद्ध करते हैं।
- **व्यापक व्यापार संबंध:**
  - राजस्थान का व्यापार इतिहास सिल्क रूट के समान ही महत्त्वपूर्ण है, जिसका समर्थन **गुप्त वंश, मालव** और **जनपदों** के सिक्कों की खोज से होता है।
  - ये निष्कर्ष प्राचीन भारत में राजस्थान की महत्त्वपूर्ण आर्थिक और सांस्कृतिक भूमिका पर ज़ोर देते हैं।
- **खजाना संग्रह:**
  - राजस्थान पुरातत्व विभाग ने **राजस्थान खज़ाना नियम, 1961 के तहत संग्रहित 2.21 लाख से अधिक प्राचीन सिक्के एकत्र किये**

हैं, जिनमें 7,180 पंच-मार्क नमूने भी शामिल हैं।
- ये सिक्के राज्य की ऐतिहासिक और आर्थिक प्रमुखता के बारे में अमूल्य जानकारी प्रदान करते हैं।

सिंधु घाटी सभ्यता

- **परिचय:**
  - भारत का इतिहास **सिंधु घाटी सभ्यता (IVC) के जन्म से शुरू होता है,** जिसे हड़प्पा सभ्यता के नाम से भी जाना जाता है।
  - यह लगभग **2,500 ईसा पूर्व दक्षिण एशिया के पश्चिमी क्षेत्र,** वर्तमान पाकिस्तान और पश्चिमी भारत में विकसित हुआ।
  - सिंधु घाटी मिस्र, मेसोपोटामिया, भारत और चीन की **चार प्राचीन शहरी सभ्यताओं में से सबसे बड़ी सभ्यता का घर थी।**
  - 1920 के दशक में भारतीय पुरातत्व विभाग ने सिंधु घाटी में खुदाई की, जिसमें दो पुराने शहरों, **मोहनजोदड़ो और हड़प्पा** के खंडहरों का पता चला।
  - 1924 में, **ASI के महानिदेशक जॉन मार्शल ने** दुनिया के सामने सिंधु घाटी में एक नई सभ्यता की खोज की घोषणा की।
- **पतन:**
  - सिंधु **घाटी सभ्यता का पतन लगभग 1800 ई.पू. हुआ,** जिसका मुख्य कारण **जलवायु परिवर्तन और प्रवास था।**
  - इसके दो प्रमुख शहर, मोहनजोदड़ो और हड़प्पा लुप्त हो गये, जिससे सभ्यता का अंत हो गया।
  - हड़प्पा को अक्सर इस सभ्यता के नाम के साथ जोड़ा जाता है क्योंकि यह आधुनिक पुरातत्वविदों द्वारा खोजा गया पहला शहर था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dark-age-coins-unearthed-in-rajasthan